खबर संक्षेप

मेला में स्वास्थ्य सेवाओं में मुस्तैद डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम

मैहर। मां शारदा धाम में शारदीय नवरात्रि के दौरान दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मां शारदा के दरबार में देशभर से पहुंच रहे भक्तों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की लगातार एक सक्रिय टीम उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं में जुटी हुई है। श्रद्धालुओं की तबीयत अचानक बिगड़ने या किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी उत्पन्न होने की स्थिति में चिकित्सा टीम तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तत्पर नजर आ रही है। आस्था के इस महापर्व में स्वास्थ्य विभाग की यह सक्रियता और सेवाभाव श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा राहत का सहारा बन रहा है। जिला प्रशासन के उच्च मार्गदर्शन में स्वास्थ्यकर्मियों का यह समर्पण नवरात्रि मेले के दौरान सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को मां शारदा देवी के सुगम दर्शन कराए गए

मैहर। कलेक्टर एवं मां शारदा मंदिर प्रबंध समिति की अध्यक्ष श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के विशेष निर्देशन में जबलपुर से मैहर मां शारदा देवी के दर्शन के लिए पहुंचे दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान श्रद्धालु राजेंद्र रैकवार,सुश्री चेतना,सुश्री आराधना,उमेश एवं श्रीमती बन्नो ने मां शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दर्शन संपन्न होने के उपरांत मंदिर प्रबंध समिति की अध्यक्ष श्रीमती मुखर्जी ने सभी दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को मां शारदा के आशीर्वाद स्वरूप चुनरी भेंट की। इस विशेष पहल से श्रद्धालुओं ने मां शारदा के दर्शन सुगमता से मिलने पर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की। यह अनूठी पहल श्रद्धालुओं की सुविधा,सुगमता और उनकी धार्मिक आस्था के पूर्ण सम्मान के प्रति जिला प्रशासन एवं मंदिर प्रबंध समिति की प्रतिबद्धता को गहराई से दर्शाती है।

पुलिस कप्तान के भजन ने बांधा समां



मैहर। मां शारदा की पावन भक्ति में रंगे मैहर के पुलिस कप्तान ने अपने मधुर भजन गायन से कार्यक्रम में एक अद्भुत समां बांध दिया। मां शारदा की पावन नगरी मैहर में आयोजित शारदीय नवरात्रि के शक्ति पर्व कार्यक्रम के दौरान जिले के पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह का एक बेहद अलग और अनूठा अंदाज देखने को मिला। आमतौर पर अपनी सख्त कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते नजर आने वाले पुलिस अधीक्षक इस बार पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगे दिखाई दिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने ही अंदाज में 'अंगना पधारो महारानी,मोरी शारदा भवानी' भजन का बेहद सुंदर गायन कर भाव-विभोर कर दिया।

त्योहारों का कड़वा सचः यात्री बसों से ढोया जा रहा मिलावट का 'जहर', प्रशासन बेबस या साठगांठ?

सतना। त्योहारी सीजन आते ही जिले में परिवहन नियमों और आम जनता के स्वास्थ्य की धज्जियां उड़ाने का एक काला खेल बेपरवाह अंदाज में शुरू हो चुका है। भरोसेमंद सूत्र बताते हैं कि दशहरा और दीपावली जैसे बड़े पर्वों के मद्देनजर कानपुर,ग्वालियर,इंदौर,भोपाल और दिल्ली जैसे बड़े महानगरों से भारी मात्रा में मिलावटी व संदेहास्पद खाद्य सामग्री की खेप धड़ल्ले से सतना पहुंच रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इन अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए यात्री बसों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

परिवहन नियमों के अनुसार बसों में केवल यात्रियों और उनके निर्धारित मापदंड के सामान की ही अनुमति होती है,लेकिन बस संचालकों की मनमानी बेलगाम हो चुकी है और जिम्मेदार महकमे खामोश तमाशबीन बने हुए हैं।

नियमों को ठेंगा दिखा रहे ट्रांसपोर्ट माफिया

यात्री बसों का मूल उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित सफर कराना है,लेकिन सतना में इनका उपयोग पार्सल के नाम पर सेहत से खिलवाड़ करने के लिए किया जा रहा है। त्योहारी सीजन में जब मिठाइयों,मावे और खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ती है,तब इन बसों के जरिए बिना किसी गुणवत्ता जांच के मिलावटी सामग्री शहर के कोने-कोने तक पहुंचाई जाती है। नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे इस खेल से साफ जाहिर होता है कि ट्रांसपोर्ट माफियाओं में प्रशासनिक खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।



खाद्य एवं औषधि विभाग के अजीब तर्क और नाकामी

एक तरफ जहां मिलावटी सामानों का अंबार शहर में खप रहा है, वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली बेहद हास्यास्पद और सवालों के घेरे में है। विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि उन्हें जनता या सूत्रों से केवल 'आधी-अधूरी जानकारी' मिलती है। उनका दावा है कि यदि कोई उन्हें वाहनों का सटीक नंबर,रंग और समय बता दे,तो वे कार्रवाई कर सकते हैं। अधिकारियों की यह दलीलें उनकी नाकामी पर पर्दा डालने के सिवाय कुछ नहीं हैं। जनता यह पूछने को मजबूर है कि यदि मुखबिरों को ही गाड़ी का नंबर और रंग पता लगाकर देना है,तो फिर खुफिया तंत्र,जांच दल और वेतनभोगी अमला किस काम के लिए है? क्या मिलावटखोरी रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ आम जनता की है?

अफसरों की भूमिका पर गहराया गंभीर संदेह

जिन विभागों पर अवैध परिवहन और मिलावट रोकने की प्राथमिक जिम्मेदारी है,वे अपनी ड्यूटी निभाने में पूरी तरह विफल हैं। सूत्रों का कहना है कि सतना में फलफूल रहे इस काले कारोबार में विभागीय अफसरों की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता।जब शहर के हर चौराहे पर इन अवैध धंधों की चर्चा आम है,तब जिम्मेदार महकमे का यह कहना कि उन्हें पुख्ता जानकारी नहीं मिलती,उनकी संदिग्ध भूमिका को उजागर करता है।

जनस्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़

त्योहारों की खुशियों के बीच सतना की जनता की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है। यदि समय रहते परिवहन और खाद्य विभाग ने अपनी नींद नहीं तोड़ी,तो मिलावटी सामग्रियां मासूमों की जिंदगी पर भारी पड़ सकती हैं। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन महज कागजी बयानबाजी तक सीमित रहेगा या इन लापरवाह बस संचालकों और मिलावटखोरों के खिलाफ कोई ठोस और नजीर पेश करने वाली कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है-

मिलावटी खाद्य सामग्री पकड़ने के लिए हम पूरी तरह से तत्पर हैं इस तरह के कारोबारों के खिलाफ जल्दी ही कार्रवाई की जाएगी। अभिषेक बिहारी,अधिकारी खाद एवं औषधि विभाग। इस तरह का सामान परिवहन करना नियम के विरुद्ध है। सूचना मिलने पर परिवहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रवि बलेरिया,परिवहन अधिकारी सतना।

चरमराई यातायात व्यवस्थाः सिविल लाइन सर्किट हाउस ओवर ब्रिज पर लगा भीषण जाम



सतना। शहर में इन दिनों यातायात प्रबंधन की स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। आए दिन लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम से आम नागरिक,राहगीर और वाहन चालक बेहाल हैं। शहर की बढ़ती आबादी और अनियोजित ट्रैफिक व्यवस्था के कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है,जिसका सीधा असर शहर की परिवहन व्यवस्था पर पड़ रहा है।

सिविल लाइन सर्किट हाउस ओवरब्रिज बना जाम का केंद्र

शहर का सबसे व्यस्त और संवेदनशील माना जाने वाला सिविल लाइन सर्किट हाउस ओवरब्रिज इन दिनों ट्रैफिक जाम का मुख्य केंद्र बन गया है। इस ओवरब्रिज पर और इसके आसपास रोजाना वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। सिविल लाइन की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि वाहन रेंग-रेंग कर चलने को मजबूर होते हैं। कई बार एम्बुलेंस और आपातकालीन वाहन भी इस जाम में फंस जाते हैं,जिससे गंभीर मरीजों की जान पर खतरा बन जाता है।

राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी

दफ्तर जाने वाले कर्मचारी,स्कूल-कॉलेज के छात्र और व्यापारी वर्ग इस बेहाल यातायात व्यवस्था के कारण सबसे ज्यादा परेशान हैं। रोजाना घंटों जाम में फंसे रहने से लोगों का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। धूल,धुएं और हॉर्न के शोर के बीच लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है।

प्रशासनिक लापरवाही और समाधान की मांग

यातायात पुलिस और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है।शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल के खराब होने या पुलिस बल की कमी के कारण वाहन चालक मनमाने तरीके से वाहन चलाते हैं,जिससे जाम की स्थिति और विकराल हो जाती है। नागरिकों का सवाल है कि आखिर इस विकट समस्या से कब और कैसे राहत मिलेगी? जनता ने जिला प्रशासन और यातायात विभाग से मांग की है कि इस अति-व्यस्त मार्ग पर स्थायी रूप से ट्रैफिक पुलिस बल तैनात किया जाए,भारी वाहनों के प्रवेश पर समय सीमा तय की जाए और इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान निकाला जाए।

कलेक्टर विदिशा मुखर्जी और अपर कलेक्टर रोशन राय ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

मैहर। मां शारदा की पावन नगरी मैहर में शारदीय नवरात्रि की पंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे भक्तों ने मां शारदा के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली और पूरा मंदिर परिसर माता के जयकारों से पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। नवरात्रि मेले के सुचारू संचालन के दौरान कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी एवं अपर कलेक्टर रोशन राय ने मां शारदा मंदिर परिसर पहुंचकर दर्शनार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए,ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को दर्शन में कोई असुविधा न हो।



जीआरपी की बड़ी कार्रवाईः यात्री की चोरी गई सोने की चेन बरामद



सतना। जीआरपी चौकी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के एक यात्री की 1,55,000 रुपये कीमत की चोरी गई सोने की चेन बरामद कर ली है। घटना 22जुलाई की है,जब फरियादी रामाशीष गौतम सहरसा -बांद्रा हमसफर एक्सप्रेस से मुंबई यात्रा कर रहे थे। सतना रेलवे स्टेशन पर अज्ञात बदमाश ने उनकी सोने की चेन चुरा ली थी।इस संबंध में जीआरपी में मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी सोनू यादव को गिरफ्तार किया,जिसने पूछताछ में चेन दिलीप सोनी को बेचना बताया। जीआरपी सतना की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी दिलीप सोनी के कब्जे से चोरी गई चेन सफलता पूर्वक बरामद कर ली। पुलिस की इस सराहनीय कार्रवाई से यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है।

सतना में दशहरा पर्व की वैभवशाली परंपरा और उसके पतन की कहानी

सतना। शहर में विजय दशमी (दशहरा) का पर्व कभी अपनी भव्यता,अनुशासन और अनूठी संस्कृति के लिए पूरे मध्य प्रदेश में प्रसिद्ध हुआ करता था। इस पर्व की सफलता और सुव्यवस्था के पीछे प्रशासन और स्थानीय समितियों का कड़ा अनुशासन और समन्वय हुआ करता था।

पुरानी व्यवस्था और रूट का अनुशासन

पहले प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से यह तय किया जाता था कि शहर की सभी झांकियां सबसे पहले जवाहर नगर मैदान में एकत्र होंगी। कोई भी झांकी सीधे विसर्जन स्थल के लिए रवाना नहीं होती थी।जवाहर नगर मैदान में पहुंचने पर प्रत्येक झांकी को एक निश्चित क्रम संख्या (नंबर) अलॉट किया जाता था। रावण दहन के उपरांत सबसे आगे भगवान श्री राम जी का रथ और उसके पीछे नंबर के क्रम में लगभग एक किलोमीटर लंबी झांकियों की कतार चलती थी। इन झांकियों का रूट एक सप्ताह पहले ही तय कर लिया जाता था। यह भव्य काफिला सिटी कोतवाली,पन्नीलाल चौक,स्टेशन रोड,सर्किट हाउस चौक,सेमरिया चौक और कृष्ण नगर से होते हुए पुनः पन्नीलाल चौक से गुजरकर आगे विसर्जन के लिए प्रस्थान करता था। इस दौरान पूरे शहर में उत्सव का माहौल रहता था।

जनसैलाब और ग्रामीण इलाकों से जुड़ाव

सतना के इस ऐतिहासिक दशहरा को देखने के लिए शहर ही नहीं बल्कि पूरे जिले से लाखों की संख्या में लोग इकट्ठा होते थे। ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों के आने-जाने के लिए विशेष तौर पर 'दशहरा स्पेशल बसें' संचालित की जाती थीं,जिससे हर वर्ग और क्षेत्र के लोग इस महाउत्सव का हिस्सा बन सकें। नगर निगम अपनी प्रत्यक्ष निगरानी में एक मजबूत ढांचे पर भव्य रावण का निर्माण करवाता था और झांकियों के आगे चलने वाले बैंड का पूरा खर्च निगम द्वारा उठाया जाता था।



परंपरा का पतन और राजनीतिकरण

समय के साथ प्रशासन की उदासीनता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने इस गौरवशाली परंपरा को कमजोर कर दिया। पर्व समन्वय समितियों ने अपने अलग मानदंड तय कर सतना के दशहरा उत्सव को हाशिए पर धकेल दिया। नगर निगम द्वारा रावण निर्माण के लिए सीधे राशि देने की प्रथा शुरू हो गई,जिससे फ्लैक्स लगाकर केवल औपचारिकता पूरी की जाने लगी। बैंड का खर्च उठाने के बजाय वह राशि जन प्रतिनिधियों के करीबियों या विशिष्ट आयोजनों के नाम पर बांटी जाने लगी। इसके अलावा,दशहरा के ऐतिहासिक स्वरूप को कमजोर कर स्थानीय स्तर पर अन्य आयोजनों को प्राथमिकता दी जाने लगी।

पुनर्जीवन की उम्मीद

सतनावासी आज भी उस पुरानी व्यवस्था को शिद्दत से याद करते हैं। यदि नगर निगम,जिला प्रशासन समन्वय समिति अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को छोड़कर एकजुट हों,तो सतना के दशहरा को एक बार फिर पुनर्जीवित किया जा सकता है।सामूहिक प्रयास से यह पर्व रामनवमी के आयोजनों से कहीं अधिक भव्य साबित हो सकता है और पूरा शहर एक बार फिर दीपों और रोशनी से सजी भव्यता के साथ जगमगा उठेगा।

23 अक्टूबर को मां शारदा की नगरी मैहर आएंगे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

मैहर। मां शारदा की पावन नगरी मैहर में आगामी 23 अक्टूबर को बागेश्वर धाम के प्रख्यात पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आगमन प्रस्तावित है। इस अवसर पर स्थानीय केजेएस में एक भव्य प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पवन आहूवालिया हैं।धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक चेतना की इस पावन नगरी में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में भारी उत्सुकता और उत्साह देखने को मिल रहा है। केजेएस में आयोजित होने वाले इस विशाल कार्यक्रम में भक्तों को उनके दिव्य प्रवचन सुनने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होगा। मां शारदा की नगरी में इस बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तों के बीच एक नया उत्साह और उल्लास का माहौल बना हुआ है,और कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।



विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए : श्रीकांत



मैहर। मैहर विधानसभा क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने गुरुवार को कार्यपालन अभियंता कार्यालय में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक श्री चतुर्वेदी ने सभी विद्युत कार्यों की विस्तृत जानकारी लेकर योजनाओं के सही क्रियान्वयन,कार्यों की उच्च गुणवत्ता और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एकेएस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय उद्यमिता बूटकैंप का समापन

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय, में 12 से 14 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय 'इग्नाइट उद्यमिता कार्यक्रम एवं वेंचर क्रिएशन बूटकैंप' का समापन हुआ।आयोजन बिराक के ई-युवा केंद्र,सेंटर फॉर रिसर्च इनोवेशन,इन्क्यूबेशन एंड स्किल डेवलपमेंट (सीआरआईआईएसडी), इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और एकेएस बिजनेस इन्क्यूबेटर ने नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप नेटवर्क तथा वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से किया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों,संकाय सदस्यों और स्टार्टअप प्रतिभागियों को नवाचार,डिजाइन थिंकिंग, ग्राहक आवश्यकताओं की पहचान,बाजार विश्लेषण,प्रोटोटाइप निर्माण,बिजनेस मॉडलिंग,वित्तीय प्रबंधन और निवेशकों के समक्ष विचार प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया गया।

खबर संक्षेप

मोहंद्रा रामलीला- रावण अत्याचार से राम जन्म तक का सजीव मंचन



मोहंद्रा। मोहंद्रा में पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से निरंतर चली आ रही ऐतिहासिक रामलीला का शुभारंभ 13 अक्टूबर की रात पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ हुआ। रावण के अत्याचार, पृथ्वी माता सहित समस्त देवताओं द्वारा क्षीर सागर में श्री हरि विष्णु नारायण का स्मरण, आकाशवाणी, फिर राम जन्म - का क्रमवार मंचन ने उपस्थित दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। यह रामलीला पूरी तरह से स्थानीय कलाकारों द्वारा की जाती है। ग्रामीण ही राम, लक्ष्मण, सीता, रावण आदि की भूमिका निभाते हैं। बुजुर्गों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलीला गांव में हर वर्ष शारदीय नवरात्रि के समय आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा, ष्यह रामलीला केवल मनोरंजन नहीं बल्कि संस्कारों की पाठशाला है। यहां युवाओं को धर्म, मर्यादा और संस्कार सिखाए जाते हैं।

शासकीय कन्या हाई स्कूल ककहरटी में लगी चौतन्य देवियों की झांकी

पन्ना। नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पन्ना की ओर से चौतन्य देवियों की झांकी शासकीय कन्या हाई स्कूल ककहरटी बस स्टैंड के पास लगाई जा रही है, जिसमें माँ दुर्गा,माँ सरस्वती, माँ लक्ष्मी जी की चौतन्य देवियों के दर्शन कर अपना जीवन सफल बनाएं एवं इन देवियों से वरदान पाकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करें,, साथ में आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ उठाएं।

देवेंद्रनगर में परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा दशहरा

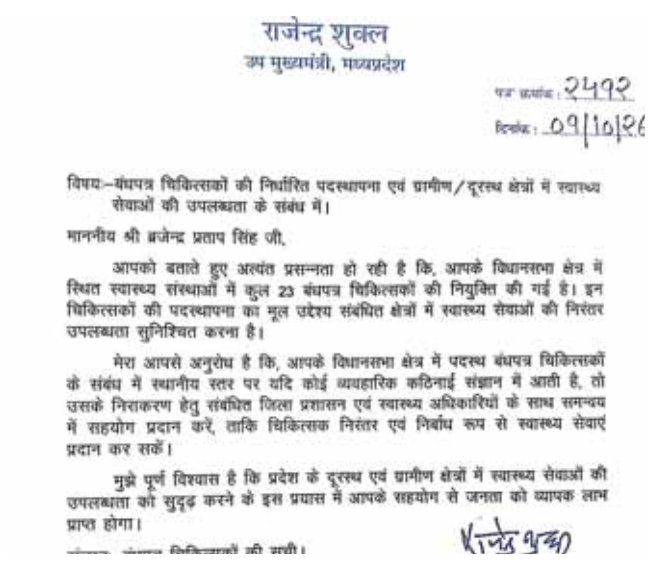
देवेन्द्रनगर। नगर दशहरा उत्सव समिति देवेंद्रनगर के तत्वावधान में इस वर्ष भी विजयादशमी पर्व परंपरागत तरीके से सतना रोड स्थित समदरिया ग्राउंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समिति संरक्षक हरदेव सिंह परमार की अध्यक्षता में स्वर्गीय डॉ. सुरेंद्र पिंपिले के निज निवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से श्रीमती हर्षा उर्फ मिंकी पिंपिले को नगर दशहरा उत्सव समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि कमलेश जैन को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। पिछले वर्ष की कार्यकारिणी को यथावत रखने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष नियुक्त होने पर उपस्थित सदस्यों ने हर्षा उर्फ मिंकी पिंपिले का गुलाल लगाकर स्वागत किया और बधाई दी। समिति द्वारा दशहरा उत्सव को आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए विभिन्न सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय श्रीराम मंदिर परिसर में बाहर से आए कलाकारों द्वारा रात्रि 8 बजे से रामलीला का मंचन किया जा रहा है। वहीं, दशहरा पर्व पर समदरिया ग्राउंड में 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। बाहर से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राम-रावण संवाद कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगा। बैठक में हर्षा उर्फ मिंकी पिंपिले, संरक्षक हरदेव सिंह परमार, सुरेंद्र सिंह परमार, कमलेश जैन, ललित गुप्ता, विजय शंकर पांडेय, संजय जायसवाल, हीराजी पटेल, विजय व्यास, रमेश अग्रवाल, विवेक खरे, अभिषेक सिंह, राकेश द्विवेदी, अनिल साहू, शुभम श्रीवास्तव, प्रियव्रत गौतम, शैलेंद्र जैन, रमाशंकर तोमर, हरि विश्वकर्मा, कृष्णा पाठक, रामचरण रैकवार, सावनहै मोहम्मद, राहुल जैन सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पत्र लिखकर दी जानकारी, 17 डॉक्टरों ने किया ज्वाइन, 6 की ज्वाइनिंग शेष

पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से पन्ना को मिली 23 डॉक्टरों की सौगात, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

पन्ना। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से पन्ना विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में 23 बंधपत्र चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने 9 अक्टूबर 2026 को पत्र क्रमांक 2512 के माध्यम से विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह को इसकी जानकारी दी।

इन नियुक्तियों का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने पत्र में स्थानीय स्तर पर आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समन्वय की बात पूर्व मंत्री और पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह से कही है। विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने



राजेन्द्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

पत्र क्रमांक: 2492
दिनांक: 09/10/26

विषयः–बंधपत्र चिकित्सकों की निर्धारित पदस्थापना एवं ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के संबंध में।

माननीय श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह जी,

आपको बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि, आपके विधानसभा क्षेत्र में स्थित स्वास्थ्य संस्थाओं में कुल 23 बंधपत्र चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। इन चिकित्सकों की पदस्थापना का मूल उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मेरा आपसे अनुरोध है कि, आपके विधानसभा क्षेत्र में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सकों के संबंध में स्थानीय स्तर पर यदि कोई व्यावहारिक कठिनाई संज्ञान में आती है, तो उसके निराकरण हेतु संबंधित जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समन्वय में सहयोग प्रदान करें, ताकि चिकित्सक निरंतर एवं निर्बाध रूप से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुदृढ़ करने के इस प्रयास में आपके सहयोग से जनता को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

राजेन्द्र शुक्ल

के लिए चिकित्सकों की नियुक्ति आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि पन्ना में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे जिले के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं, उच्च स्तरीय उपचार और जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि शेष छह चिकित्सकों की ज्वाइनिंग जल्द सुनिश्चित कराने तथा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में नियमित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

इन स्वास्थ्य संस्थाओं में ज्वाइन किए हुए डॉक्टर-

जिला चिकित्सालय पन्ना- 1. गोविंद सिंह तोमर, 2. अखिल बुधौलिया, 3. बंटी प्रजापति, 4. सम्यक जैन, 5. अमन गौतम, 6. उदल सिंह, 7. पवन माहौर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजयगढ़- 1. अनस सुल्तान, 2. विकास कट्रोलिया, 3. विक्रम राजपूत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ीखेड़ा-1. अभिषेक शर्मा, 2. हिमांशु उपाध्याय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बराछ-1. प्रक्षाल जैन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धरमपुर- 1. नेहा गुप्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियारपुर- 1. ऋषभ तिवारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककरहटी- 1. शिवांशी श्रीवास्तव, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इटवाकला-1. आदर्श गर्ग।

साहिलवारा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

कुछ दिन पूर्व असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा को किया था खंडित, अब दोबारा स्थापित प्रतिमा का विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने किया अनावरण





गुनौर। गुनौर क्षेत्र के ग्राम साहिलवारा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण गुनौर विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों और बाबा साहब के अनुयायियों में उत्साह देखने को मिला। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ग्राम साहिलवारा में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया था। घटना के बाद क्षेत्र में नाराजगी का माहौल बना था। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रतिमा को दोबारा स्थापित करने की पहल की गई, जिसके बाद अब विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने नई प्रतिमा का अनावरण किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार और सामाजिक समानता के प्रबल समर्थक थे। उनकी प्रतिमा का अनावरण सामाजिक एकता, समानता और भाईचारे के संदेश के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी और गांव में आपसी सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनी रहेगी। इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच विजय चतुर्वेदी, जिला पंचायत सदस्य ममता शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रीति पटेल, जीतेन्द्र सिंह जाटव सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।



भुजवई में चंडी माता मंदिर के शेड और कटर्रा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण

बृजेंद्र प्रताप सिंह ने किया कन्या पूजन 3 लाख रुपये की लागत से मंदिर में शेड और 65 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन निर्मित



पन्ना। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने अजयगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत प्रतापपुर के ग्राम भुजवई में चंडी माता मंदिर में 3 लाख रुपये की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया। नवरात्रि के पावन अवसर पर उन्होंने मंदिर में देवी मां की पूजा-अर्चना कर कन्या पूजन किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद धरमपुर तहसील अंतर्गत ग्राम कटर्रा में 65 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण किया।

धार्मिक आस्था और जनसुविधाओं को बढ़ावा-

ग्राम भुजवई में चंडी माता मंदिर में शेड निर्माण से श्रद्धालुओं को धार्मिक आयोजनों एवं पूजा-अर्चना के दौरान सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने मां चंडी की पूजा-अर्चना की और कन्या पूजन कर नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवी आराधना, कन्या पूजन और धार्मिक परंपराओं का विशेष महत्व है। मंदिर हमारी आस्था और सामाजिक एकता के केंद्र हैं। मंदिर परिसर में शेड निर्माण से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और धार्मिक आयोजनों के दौरान सहूलियत होगी।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती-

इसके बाद ग्राम कटर्रा में 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण किया गया। नए भवन से क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है, ताकि लोगों को समय पर उपचार और चिकित्सकीय परामर्श मिल सके। स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं और चिकित्सकीय सेवाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित होने से ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य केवल भवनों का निर्माण करना नहीं, बल्कि गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर आमजन के जीवन को बेहतर बनाना है। पन्ना विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता रहे उपस्थित दोनों कार्यक्रमों के दौरान सीता गुप्ता,मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र लोधी, हनुमंत प्रताप सिंह रजऊ राजा, कौशल किशोर लोधी, रामायण लोधी, मनोज सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। नवरात्रि के अवसर पर उन्होंने सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

माँ सरस्वती को अर्पित किया छप्पन भोग महाआरती से भक्तिमय हुआ विद्यालय परिसर





नवरात्रि के पावन अवसर पर हुआ आयोजन, शिक्षा के साथ संस्कार और सर्वांगीण विकास पर जोर

'देवेंद्रनगर'। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर में जगह-जगह माँ दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर श्रद्धालु भक्ति और आराधना में लीन हैं। इसी धार्मिक और भक्तिमय वातावरण के बीच सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवेंद्रनगर में विद्या की देवी माँ सरस्वती को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य महाआरती की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा एवं प्रधानाचार्य शिवेंद्र नामदेव सहित समस्त आचार्य, दीदी जी तथा भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाआरती के दौरान विद्यालय परिसर माँ के जयकारों से गूंज उठा। आरती के पश्चात महाप्रसाद अर्पित कर सभी को वितरित किया गया।

शिक्षा के साथ संस्कारों का संवाहक है सरस्वती शिशु मंदिर

सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और नैतिक मूल्यों के संवर्धन के लिए जाना जाता है। विद्यालय में पूरे वर्ष धार्मिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ अनुशासन, सेवा, सदाचार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जाती है। विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास को भी प्रोत्साहित करना है। पिछले वर्ष विद्यालय परिसर में माँ सरस्वती के मंदिर एवं प्रतिमा की स्थापना की गई थी। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह महाआरती विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और संस्कारों के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनी।

ओबीसी आरक्षण से लेकर किसानों की समस्याओं तक उठीं आवाजें, एसडीएम को सौंपे चार ज्ञापन



ओबीसी महासभा, अपना दल, किसान और समाजसेवियों ने प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन सड़क, पुल, रेलवे भूमि अधिग्रहण और अधिकारियों के व्यवहार से जुड़े मुद्दे उठाए

पन्ना। क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं और जनहित की मांगों को लेकर ओबीसी महासभा, अपना दल, किसान संगठनों एवं समाजसेवियों सहित दर्जनों लोगों ने प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को चार ज्ञापन सौंपे। ज्ञापनों के माध्यम से ओबीसी आरक्षण, किसानों की समस्याओं, क्षतिग्रस्त पुल के निर्माण, सड़क और आवागमन की सुविधाओं सहित कई स्थानीय मुद्दों पर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया।

ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग-

ओबीसी महासभा एवं अपना दल की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की मांग की गई। साथ ही मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने, नया विधायी प्रावधान लाने तथा आरक्षण संबंधी व्यवस्था को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आवश्यक संवैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग उठाई गई। किसानों ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर उन्हें राहत प्रदान करने की अपील की गई।

तीन साल से टूटे पुल के निर्माण की मांग-

समाजसेवियों ने बरियापुर-कुर्मियान मार्ग पर जरारे नाला के टूटे पुल का मुद्दा उठाया। उनका कहना है कि पुल पिछले तीन वर्षों से क्षतिग्रस्त है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए पुल का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की।

अन्य जनसमस्याओं को लेकर भी सौंपे ज्ञापन-

ज्ञापन के माध्यम से ग्राम पंचायत लोलास के अनुसूचित जाति बहुल मोहल्ले में रास्ते का निर्माण कराने तथा सबदुआ में रेलवे लाइन परियोजना से प्रभावित किसानों की अधिग्रहित भूमि का संयुक्त दल से सर्वे कराने की मांग की गई। इसके अलावा अजयगढ़ की उत्तर प्रदेश सीमा से निकटता को देखते हुए बच्चों के स्कूल आने-जाने के समय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और गश्त बढ़ाने की मांग उठाई गई। वहीं जनपद पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी कपिल देव पटेरिया एवं पेंशन अधिकारी पर आम जनता के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाते हुए उनके व्यवहार के संबंध में भी ज्ञापन सौंपा गया तथा उचित कार्रवाई की मांग की गई।

किसानों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए उठाईं कई मांगें-

किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि गेहूं की खरीदी 2700 रुपये प्रति क्विंटल और धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस सहित करने का वादा किया गया था, लेकिन किसानों के अनुसार इन वादों को पूरा नहीं किया गया। किसानों ने सरकार से किए गए वादे पूरे करने की मांग की। इसके साथ ही किसानों ने रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और उनके दाम घटाने, कृषि यंत्रों एवं दवाइयों को करमुक्त करने की मांग उठाई। अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कराकर किसानों को लागत का दोगुना मुआवजा देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। किसानों ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा गरीबों की जमीनें छुड़ा ली गईं, जबकि प्रभावशाली लोगों की जमीनें छोड़ दी गईं। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा जंगली जानवरों द्वारा किसानों की फसलों को पहुंचाए जाने वाले नुकसान की भरपाई करने की मांग भी उठाई गई।

दर्जनों लोग रहे मौजूद-

इस दौरान सेवानिवृत्त सैनिक परशुराम पटेल, कमलेश कुमार पटेल, मुन्ना, हरप्रसाद, राजाबाबू, ब्रजकिशोर, लालबहादुर, पवन कुमार, छोटेलाल अहिरवार, संतोष, सोहन, बेटेलाल, राजेश पटेल सहित दर्जनों किसान, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपने वालों ने शासन-प्रशासन से मांग की कि जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को समस्याओं से राहत मिल सके।

मां ज्वाला देवी मंदिर अमानगंज नगर का प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, उमड़ रहे भक्त





अमानगंज। हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में मनाए जाने वाला शारदीय नवरात्र नवदुर्गा उत्सव का पर्व के पावन पुनीत अवसर पर नगर अमानगंज के विभिन्न स्थानों पर माता रानी का दरबार पंडाल लगा करके सजाया गया है जिसमे भक्तों के द्वारा बहुत ही सुंदर आकर्षक साज सज्जा की गई है एवं मां जगदंबा दुर्गा की प्रथम स्थापित की गई है इस मौके पर नगर में भारी संख्या में भक्तों की भीड़ देखी जा रही है सुबह के 4:00 बजे से ही जल चढ़ाने वाली माता बहने एवं भक्त माता की पूजा अर्चना करने के लिए लंबी कारों में देखे जा रहे हैं मां ज्वाला देवी मंदिर अमानगंज नगर का प्रमुख आकर्षण का केंद्र है मां परशुराम दुर्गा उत्सव समिति नगर परिषद प्रांगण अमानगंज दुर्गा उत्सव समिति नया बस स्टैंड अमानगंज दुर्गा उत्सव समिति बहुत ही आकर्षण का केंद्र माता रानी के दरबार सजाया गया है जिसमें सभी भक्त पहुंचकर के धर्म का लाभ अर्जित कर रहे हैं एवं मां जगदंबे की असीम कृपा आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

कुड़ी के गुरैया माता मंदिर में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित, 20 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित

छतरपुर। सटई नगर के समीपस्थ कुड़ी स्थित श्री गुरैया माता मंदिर परिसर में गुरुवार को एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चित्रकूट से पधारी पांच सदस्यीय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए मरीजों की आंखों का गहन परीक्षण किया और उन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह दी। शिविर के दौरान कुल 70 जरूरतमंद मरीजों का पंजीयन किया गया। जांच के बाद 60 लोगों को मौके पर ही निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, वहीं आंखों में मोतियाबिंद की समस्या से पीड़ित 20 मरीजों का चयन चित्रकूट में निःशुल्क ऑपरेशन के लिए किया गया। इन सभी चयनित मरीजों को आगे के इलाज और ऑपरेशन के लिए जल्द ही चित्रकूट भेजा जाएगा। आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर के महंत उमेश नायक ने बताया कि सटई क्षेत्र और आसपास के गांवों में नियमित स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविरों का अभाव रहता है, जिससे स्थानीय निवासियों को छोटी-मोटी जांच और इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में भटकना पड़ता है। ग्रामीणों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रांगण में इस शिविर का आयोजन कराया गया। महंत नायक ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि जरूरतमंदों को घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

मां दुर्गा की आरती के साथ गरबा महोत्सव का भव्य आगाज, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष रेखा यादव ने किया शुभारंभ



छतरपुर। हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित छह दिवसीय गरबा महोत्सव का शुभारंभ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने मां दुर्गा की आरती के साथ किया। इस अवसर पर संतों एवं विभिन्न मंदिरों के पुजारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। भक्तिमय माहौल में दो दर्जन से अधिक ग्रुपों के साढ़े 4 सौ प्रतिभागी मां दुर्गा की आराधना में लीन हैं। आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से मातृशक्ति को मां दुर्गा की आराधना करने के साथ ही अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करने के साथ ही हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर नपा अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया, सिद्धेश्वर मंदिर के पुजारी त्रिवेंद्र गौतम, संतोष ताम्रकार, प्रभा वैद्य सहित अन्य मंदिरों के पुजारी उपस्थित रहे। हिंदू उत्सव समिति द्वारा छतरपुर में पिछले 19 वर्षों से गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति गुजरात के पारंपरिक लोकनृत्य गरबा को 19 वर्ष पूर्व छतरपुर लेकर आई थी। इसके बाद से यह आयोजन धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया। गरबा के माध्यम से लोगों को गुजरात की समृद्ध लोक संस्कृति से जुडने का अवसर मिल रहा है। छह दिवसीय इस महोत्सव में मां दुर्गा की आराधना के साथ गरबा नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मां दुर्गा की आरती के साथ शुरू हुए इस महोत्सव ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नौगांव बुंदेलखंड की 122 वीं श्रीरामलीला के मंच पर.....

केवट संवाद, दशरथ मरण और भरत मनौआ प्रसंग ने दर्शकों को किया भावविभोर

नौगांव।

नौगांव बुंदेलखंड की ऐतिहासिक 122वीं श्रीरामलीला में गुरुवार रात भक्ति, विरह और भ्रातृप्रेम से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम और केवट के बीच संवाद, श्रीराम के वियोग में सुमंत का विलाप, पुत्र-वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने और भरत द्वारा प्रभु श्रीराम को अयोध्या लौटने के लिए मनाने की लीला ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इन प्रसंगों में जहां केवट की निष्काम भक्ति देखने को मिली, वहीं पिता-पुत्र के स्नेह और भाइयों के अटूट प्रेम की झलक ने रामलीला परिसर को भावुक कर दिया।

वनगमन के दौरान गंगा पार करने के प्रसंग में केवट की अनन्य भक्ति और समर्पण का सजीव मंचन हुआ। केवट ने प्रभु श्रीराम के चरण पखारने के बाद ही उन्हें नाव में बैठाने की इच्छा जताई। इस प्रसंग ने भगवान के प्रति निष्कपट प्रेम और भक्त की श्रद्धा का संदेश दिया। केवट की भक्ति और प्रभु



श्रीराम के प्रति उसकी आत्मीयता ने दर्शकों को रामकथा के भक्तिमय भाव से जोड़ दिया। इसके बाद श्रीराम के वन जाने की सूचना लेकर अयोध्या लौटे सुमंत की व्यथा और राजा दशरथ का पुत्र-वियोग लीला को करुण रस से भर गया। सुमंत के विलाप में जहां प्रभु श्रीराम से बिछड़ने की पीड़ा झलकी, वहीं राजा दशरथ की व्याकुलता ने पिता-पुत्र के अटूट स्नेह को मंच पर जीवंत कर दिया।

प्रभु श्रीराम के वियोग में राजा दशरथ की व्याकुलता और पीड़ा का मार्मिक मंचन किया गया। पुत्र के लौटने की आस लगाए दशरथ अंततः वियोग सहन नहीं कर सके। उनके निधन के प्रसंग ने दर्शकों को भावुक कर दिया। अयोध्या के राजमहल में छाए शोक और परिवार पर आए दुख को कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय से जीवंत किया।

भरत के त्याग और भ्रातृप्रेम ने दिया संदेश -

राजा दशरथ के निधन के बाद भरत द्वारा प्रभु श्रीराम को अयोध्या लौटने के लिए मनाने का प्रसंग भी मंचित हुआ। भरत ने राजसिंहासन के प्रति मोह त्यागकर बड़े भाई के प्रति अपना प्रेम और समर्पण प्रदर्शित किया। उनके द्वारा श्रीराम से लौटने का आग्रह रामकथा के प्रेरणादायक प्रसंगों में शामिल है। इस लीला ने संदेश दिया कि सच्चा भ्रातृप्रेम अधिकार और स्वार्थ से ऊपर उठकर त्याग, सम्मान और समर्पण में प्रकट होता है।

आज होगा जयंत अपराध और खर-दूषण वध का मंचन -

श्रीरामलीला समिति से जुड़े पुलकित श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को जयंत अपराध, प्रभु श्रीराम की ऋषियों से भेंट, सूर्पनखा संवाद और खर-दूषण वध की लीलाओं का मंचन किया जाएगा। इन प्रसंगों में प्रभु श्रीराम के पराक्रम, ऋषि-मुनियों के प्रति सम्मान और अधर्म के विनाश की कथा जीवंत होगी। उन्होंने धर्मप्रेमियों से परिवार सहित रामलीला देखने पहुंचने की अपील की।

स्थायी वारंटी आरोपी को पकडने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, आरक्षक को काटा, सागर में उपचार जारी

छतरपुर। जिले के बक्सवाहा थाना क्षेत्र में स्थायी वारंटी आरोपी की गिरफ्तारी के दौरान हंगामे की घटना सामने आई है। पुलिस टीम आरोपी को पकडने पहुंची, तभी गिरफ्तारी से बचने के प्रयास में आरोपी ने एक आरक्षक को दांतों से काट लिया। घटना के बाद आरोपी के ब्लड सैंपल की जांच में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद पुलिस महकमे में चिंता बढ़ गई। घटना के बाद घायल आरक्षक को एहतियातन उपचार के लिए सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, आरोपी एक अन्य अपराध में भी वांछित था और उसके क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना पर पुलिस टीम



कार्रवाई करने पहुंची थी। एसपी ने बताया कि पुलिस को विभिन्न परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण कार्रवाई करनी पड़ती है। उन्होंने आमजन से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में मदद मिलती है। वहीं, घायल आरक्षक को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

छतरपुर में ओबीसी महासभा के प्रदर्शन के दौरान हंगामा, पुतला दहन को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं में हुई झड़प

छतरपुर। शहर के मेला ग्राउंड में गुरूवार को ओबीसी महासभा द्वारा आरक्षण के मुद्दे को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान उस समय तीखा तनाव फैल गया जब कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। महासभा द्वारा उच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के विरोध में एक पुतला तैयार किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री और छतरपुर जिले के भाजपा जनप्रतिनिधियों की तस्वीरें लगाई गई थीं।



प्रदर्शनकारियों द्वारा इस पुतले को आग के हवाले किया जाना था, लेकिन ऐन वक्त पर सतर्क हुई पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए पुतले को जलाने से पहले ही अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा पुतला छुड़ाए जाने की इस कार्रवाई से आक्रोशित ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर खींचतान और झड़प हुई, जिससे वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद ओबीसी महासभा के सदस्यों ने छत्रसाल चौराहे से नारेबाजी करते हुए एक रैली निकाली जो कलेक्टर कार्यालय पहुंची जहां उन्होंने राज्यपाल के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ओबीसी महासभा के जिलाध्यक्ष तीरथ कुशवाहा ने बताया कि महासभा द्वारा 27 प्रतिशत आरक्षण की बहाली और हालिया न्यायिक निर्णयों के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत ज्ञापन सौंपने व प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की गई थी। पुलिस और प्रशासनिक अमले ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित किया और भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच मामले को शांत कराया।

सिविल लाइन पुलिस की कार्रवाई, अवैध मॉडिफिकेशन और बिना नंबर की 3 जीप जब्त

छतरपुर। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ छतरपुर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना सिविल लाइन पुलिस ने अवैध रूप से मॉडिफाइड और बिना नंबर प्लेट की तीन जीपों को जब्त किया है। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों के पास आवश्यक दस्तावेज और वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिले।

पुलिस जांच में सामने आया कि तीनों वाहन अजय पाल सिंह बुंदेला निवासी ग्राम गठेवरा, हाल निवासी छत्रसाल नगर, छतरपुर के स्वामित्व के हैं। वाहन स्वामी ने अपने नाबालिग पुत्र सहित दो अन्य व्यक्तियों को वाहन चलाने के लिए दिए थे। पुलिस के अनुसार, संतोष कुशवाहा, मनीष पटेल और एक नाबालिग वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। थाना सिविल



लाइन पुलिस ने वाहन चालकों और वाहन स्वामी के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत पृथक-पृथक प्रकरणों में इस्तगासा तैयार कर वैधानिक कार्रवाई के लिए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की है।

छतरपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वाहनों में अनधिकृत मॉडिफिकेशन न कराएं, बिना वैध पंजीयन और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन न चलाएं तथा नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है।

बगमऊ गांव के कुएं में मिला 35 वर्षीय युवक का शव, दो-तीन दिन से था लापता

छतरपुरः जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बगमऊ गांव में एक कुएं में गुरुवार को 35 वर्षीय युवक का शव तैरता मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राम मिलन अहिरवार के रूप में हुई है, जो गांव में ही अपने मामा के यहां रहता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक पिछले दो-तीन दिनों से लापता था। गुरुवार को ग्रामीणों ने मुन्ना राजपूत के कुएं में शव तैरता हुआ देखा, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही लवकुशनगर थाना क्षेत्र की डायल-112



टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बगमऊ गांव के एक कुएं से युवक का शव बरामद कर लिया गया है जिसकी पहचान राम मिलन अहिरवार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों और परिस्थितियों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सांप के काटने से वृद्ध और महिला की बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। जिले में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एक वृद्ध और खेत में काम कर रही महिला जहरीले सांप का शिकार हो गए। दोनों ही मामलों में समय पर परिजनों की सतर्कता से पीड़ितों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है।



पहला मामला गुलगंज थाना क्षेत्र के मऊखेरा गांव का है। यहां के निवासी वृद्ध कन्नू अहिरवार बीती रात अपने खेत पर काम से जा रहे थे। अंधेरे में रास्ते के दौरान एक जहरीले सर्प ने उनके पैर में काट लिया। जैसे ही कन्नू अहिरवार ने परिजनों को सांप के काटने की जानकारी दी, घर में हड़कंप मच गया। परिजन बिना देरी किए उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले आए और भर्ती कराया। वहीं दूसरा मामला ईशानगर थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव से आया है। पन्ना जिले के सलेहा थाना अंतर्गत ग्राम भागेपुरा की रहने वाली जयकुमारी पति गुड्डा आदिवासी जनकपुर में काम के सिलसिले में आई हुई थी। सुबह के वक्त जब वह खेत में सोयाबीन की कटाई कर रही थी, तभी झाड़ियों में छिपे जहरीले सांप ने उसके हाथ में डंस लिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन एकत्र हुए तथा उसे इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल दोनों मरीजों का उपचार चल रहा है और डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

नवरात्रि पर छतरपुर के 1223 शिक्षकों को बड़ी सौगात, क्रमोन्नति आदेश जारी

छतरपुर। जिले के प्राथमिक एवं सहायक शिक्षकों का लंबे समय से चला आ रहा क्रमोन्नत वेतनमान का इंतजार आखिरकार समाप्त हो गया है। नवागत कलेक्टर मृणाल मीणा के कड़े निर्देशों और मार्गदर्शन में जिला शिक्षा विभाग ने तत्परता दिखाते हुए क्रमोन्नति की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा किया है। जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया के अनुमोदन के बाद जारी हुए इस आदेश से जिले के 1,223 शिक्षकों को 12, 24, 30 और 35 वर्ष की सेवा का क्रमोन्नत वेतनमान मिलने जा रहा है। नवरात्रि के पावन पर्व पर आई इस खुशखबरी से शिक्षक संघों और पूरी कर्मचारी बिरादरी में खुशी की लहर दौड़ गई है। जारी किए गए आदेश के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 की स्थिति में जिन प्राथमिक और सहायक शिक्षकों ने



अपनी सेवा के 12, 24, 30 या 35 वर्ष पूरे कर लिए थे, उन्हें इस क्रमोन्नति योजना के तहत शामिल कर लाभान्वित किया गया है। विगत माह कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघों की परामर्शदात्री बैठक में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने शिक्षकों की क्रमोन्नति का मुद्दा प्रमुखता से रखा था। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

कलेक्टर के निर्देश पर नवागत डीईओ पी. के. रैकवार ने जिले के सभी संकुलों से तुरंत प्रस्ताव मंगाए। प्रस्तावों के निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षण के लिए एक विशेष जिला परीक्षण समिति का गठन किया गया, जिसमें प्राचार्य जी. डी. अहिरवार, आर. एम. त्रिपाठी, अनिल पटेल, पी. डी. तिवारी एवं विपिन दीक्षित शामिल रहे। समिति ने रिकॉर्ड्स का तेजी से परीक्षण कर रिपोर्ट सौंपी, जिसके बाद बिना किसी विलंब के आदेश जारी कर दिए गए।

खजुराहो में विराजीं अतिप्राचीन बघराजन माता शारदीय नवरात्रि पर उमड़ रही भक्तों की भारी भीड़

खजुराहो। पर्यटन नगरी खजुराहो के जटकरा मार्ग स्थित एयरपोर्ट सीमा पर विराजमान माँ बघराजन का मंदिर अपनी प्राचीनता और चमत्कारों के लिए ख्याति प्राप्त कर चुका है। लगभग 1000 वर्ष पुरानी यह प्रतिमा मुख्य रूप से महिषासुर मर्दिनी माँ काली के स्वरूप में सुशोभित है। मंदिर के पुजारी श्रीराम महाराज के अनुसार, शास्त्र सम्मत विधि-विधान से इस पवित्र स्थल पर देवी को महासरस्वती, महालक्ष्मी और महाकाली के त्रिविध स्वरूपों में पूजा जाता है। इस पावन विग्रह के दर्शन वैष्णो देवी की पवित्र पिंडियों के स्वरूप से भी मेल खाते हैं।

मंदिर में यूँ तो वर्ष भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन चैत्र और आश्विन नवरात्रि के पावन पर्वों पर यहाँ भक्तों का विशाल जनसमूह उमड़ पड़ता है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन को भी विशेष मशक्कत करनी पड़ती है। मान्यता है कि गृह-परिवार के शुभ कार्यों और नए



वाहन की खरीदी जैसे मंगल अवसरों की शुरुआत इसी देवी के पूजन से होती है।

हर्षोल्लास और चमत्कार से जुड़ी मान्यताएँ

मंदिर के महंत पंडित रमेशचंद्र महाराज और पुजारी पं. श्रीराम रिक्षारिया बताते हैं कि इस सिद्ध पीठ से तमाम किवदंतियाँ जुड़ी हुई हैं। एयरपोर्ट रनवे के बीच क्षेत्र में होने के बावजूद यह प्राचीन मंदिर आज भी अपने मूल स्वरूप में यथावत विद्यमान है। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा इस मंदिर को अन्यत्र स्थानांतरित करने के कई प्रयास किए गए, किंतु वे सभी विफल साबित हुए। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, जब-जब मंदिर को हटाने की कोशिश की गई, मशीनरी अचानक खराब हो गई और ऐसा जोखिम उठाने वाले जिम्मेदारों को अनिष्ट का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि आज इस प्राचीन आस्था के केंद्र को हटाने का दुःसाहस कोई नहीं करता। दूर-दूर से श्रद्धालु अपने कष्टों के निवारण और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए इस सिद्ध पीठ पर पहुँचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

75 फीट ऊंची चट्टान पर टिका एक हजार साल पुराना मंदिर



घुवारा। बुंदेलखंड की पावन धरा और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित प्राचीन अबार माता मंदिर अपनी अद्भुत लोककथाओं, चमत्कारों और अनूठी धार्मिक परंपराओं के कारण देश-विदेश के श्रद्धालुओं के बीच गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। करीब एक हजार साल पुराने इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दरबार में अपनी मुरादें लेकर पहुंचते हैं।

इस ऐतिहासिक मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां की 75 फीट ऊंची वह विशाल चट्टान है, जिस पर मंदिर स्थित है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यह चट्टान तिल भर बढ़ती है, हालांकि इस रहस्यमयी दावे की कोई वैज्ञानिक पुष्टि अब तक नहीं हो पाई है। इसके अलावा, मंदिर से जुड़ी अनोखी मन्नत परंपरा भी भक्तों को आकर्षित करती है; यहां श्रद्धालु मनोकामना मांगते समय चट्टान पर उल्टा हाथ रखते हैं और मुराद पूरी होने पर सीधा हाथ रखकर माता का आभार व्यक्त करते हैं। निःसंतान दंपतियों में भी इस चमत्कारी दरबार को लेकर अटूट विश्वास है। किंवदंतियों के अनुसार, बुंदेलखंड के अमर वीर योद्धा आल्हा और ऊदल ने जंगल में रात्रि विश्राम के दौरान देवी के अलौकिक दर्शन होने के बाद इस मंदिर की स्थापना की थी। आज भी यह मंदिर आस्था, संस्कृति और रहस्यों का अनूठा संगम है।

त्योंथर तहसील भवन के लोकार्पण में भिड़े भाजपा के पूर्व और वर्तमान विधायक के समर्थक

शिलापट्टिका को लेकर शुरू हुआ विवाद, दोनों पक्षों ने की नारेबाजी,प्रशासन के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

सांसद, विधायक और कलेक्टर ने किया नए तहसील भवन का लोकार्पण

रीवा

त्योंथर में नवनिर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन के लोकार्पण समारोह में गुरुवार को विकास की सौगातों के बीच भाजपा की अंदरूनी सियासी खींचतान भी खुलकर सामने आ गई। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी और वर्तमान विधायक सिद्धार्थ तिवारी के समर्थक आमने-सामने आ गए। शिलापट्टिका को लेकर शुरू हुआ विवाद नारेबाजी तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए, जिससे कार्यक्रम के दौरान तनाव की स्थिति बन गई। मामला बढ़ता देख प्रशासनिक अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों को शांत कराया।







समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा, विधायक सिद्धार्थ तिवारी और कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने नवनिर्मित तहसील भवन का लोकार्पण किया। एक ओर जनप्रतिनिधि त्योंथर को मिली विकास की सौगातें गिना रहे थे, तो दूसरी ओर पूर्व और वर्तमान विधायक के समर्थकों के बीच विवाद ने कार्यक्रम की चर्चा का रुख बदल दिया। वर्तमान विधायक ने तहसील भवन, मीर बहरी पुल और औद्योगिक विकास केंद्र सहित अन्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों को श्रेय दिया। वहीं, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी ने वर्तमान विधायक के परिवार के पुराने राजनीतिक कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए पलटवार किया। त्योंथर तहसील कार्यालय के लोकार्पण समारोह में शिलापट्टिका को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हुई। पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी और वर्तमान विधायक सिद्धार्थ तिवारी के समर्थकों के बीच कहासुनी के बाद नारेबाजी शुरू हो गई। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए गए। इससे कार्यक्रम स्थल पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के कारण समारोह की व्यवस्था भी प्रभावित हुई। स्थिति को संभालने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को आगे आना पड़ा। अधिकारियों की समझाइश के बाद दोनों पक्ष शांत हुए और कार्यक्रम आगे बढ़ा।कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी ने वर्तमान विधायक सिद्धार्थ तिवारी के त्योंथर से पुराने पारिवारिक संबंधों का जिक्र किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक को जनता के सामने अपने परिवार की तीन पीढ़ियों के त्योंथर से संबंधों की बात रखने के साथ पुराने राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी जवाब देना चाहिए। पूर्व विधायक ने अपने वक्तव्य में आरोप लगाया कि पूर्व के राजनीतिक कार्यकाल में निर्दोष लोगों को यौन उत्पीड़न के मामलों में जेल भेजे जाने और त्योंथर की जनता के शोषण जैसी घटनाएं हुई थीं। लोकार्पण समारोह में पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य गीता माझी, त्योंथर एवं चाकघाट नगर पंचायतों के अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एसडीएम राकेश चौरसिया के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने दूर कीं बाधाएं, त्योंथर को मिलीं कई सौगातें

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि त्योंथर तहसील भवन और मीर बहरी पुल के निर्माण में कई बाधाएं आईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन बाधाओं को दूर कर क्षेत्र को दोनों महत्वपूर्ण सौगातें दिलाईं। विधायक ने कहा कि त्योंथर के विकास के लिए लगभग 400 एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक विकास केंद्र बनाने की योजना है। इसके अलावा आईआईटी, स्टेडियम निर्माण और विभिन्न सड़कों से जुड़े कार्यों को लेकर भी पहल की गई है। उन्होंने चौरा घाट का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की बात कही। सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने त्योंथर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं दी हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। विधायक के मुताबिक, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है। आयुष्मान योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को उपचार में सहायता मिल रही है, जबकि संबल योजना संकट के समय गरीब परिवारों का सहारा बन रही है।

त्योंथर को जिला बनाना सपना

विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अपने संबोधन में त्योंथर से पुराने संबंधों का जिक्र करते हुए क्षेत्र के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा कि त्योंथर की जनता के साथ उनका संबंध पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी के समय से रहा है। क्षेत्र के लोगों के लिए उनके मन और घर के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। विधायक ने त्योंथर को जिला बनाने की इच्छा भी जाहिर की।

सरकार और जनप्रतिनिधि लगातार कर रहे जनहित के काम

सांसद जनार्दन मिश्रा ने नवनिर्मित तहसील भवन को त्योंथर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधि लगातार जनहित के कार्य कर रहे हैं, जिनका लाभ आम जनता को मिल रहा है। सांसद ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास कार्यों को गति मिल रही है। त्योंथर को तहसील भवन, पुल, सड़क और औद्योगिक केंद्र जैसी सुविधाएं दिलाने के प्रयासों में वर्तमान विधायक सिद्धार्थ तिवारी के साथ पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने दोनों जनप्रतिनिधियों को बधाई दी।

सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से विकास में बाधा पहुंचाने वाली गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

नए भवन से राजस्व मामलों के निराकरण में मिलेगी सुविधा

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि त्योंथर में नवनिर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन से प्रशासनिक कामकाज को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नए भवन में राजस्व मामलों से जुड़े पक्षकारों, आम नागरिकों, अधिवक्ताओं और अधिकारियों को काम करने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप नए भवन का लोकार्पण किया गया है। तहसील कार्यालय में बेहतर सुविधाएं मिलने से लोगों को अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए सुविधा होगी।

बिछिया चिकित्सालय में नवजात बेटियों की माताओं का हुआ सम्मान



रीवा । अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रीवा के शासकीय बिछिया चिकित्सालय में बेटियों का जन्म महापर्व की तरह मनाया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 11 से 15 अक्टूबर तक आयोजित 5 दिवसीय विशेष गतिविधियों के अंतर्गत बिछिया चिकित्सालय में जिन माताओं की गोद में नवजात बेटियां आईं, उन्हें विभाग की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया। नवजात परियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ बचपन की कामना करते हुए माताओं को स्वच्छता किट भेंट की गईं। जैसे ही चिकित्सालय के वार्डों में बेटियों के जन्म पर बधाइयां दी गईं और परिवारजनों के बीच मिठाइयां बांटी गईं, वहां का पूरा माहौल किसी बड़े उत्सव में तब्दील हो गया। इस दौरान पूरा चिकित्सालय परिसर बेटियों की किलकारियों और उनके स्वागत के उल्लास से सराबोर रहा। वहां मौजूद आमजनों और मरीजों के परिजनों ने शासन और विभाग की इस संवेदनशील पहल की खुले कंठ से सराहना की। लोगों का कहना था कि सरकारी अस्पताल में बेटियों के जन्म पर ऐसा आत्मीय सम्मान और जश्न समाज की सोच में एक सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाएगा।

सड़क का भुगतान अटका, कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी के दो बड़े अफसरों के वारंट जारी किए, समन की अनदेखी पर अदालत सख्त



रीवा। सड़क निर्माण का भुगतान लंबित रखने और अदालत में पेश नहीं होने पर जिला न्यायालय ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वर्तमान चीफ इंजीनियर और अधीक्षण यंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। सप्तम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की अदालत ने लगातार समन की अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की। मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। अधिवक्ता रामनारायण मिश्रा के अनुसार, ठेकेदार महेंद्र पटेल को गुढ़, रमपुरवा और खैरा-बंजारी रोड के निर्माण का ठेका मिला था। वर्ष 2015 में ठेकेदार ने करीब 85 प्रतिशत काम पूरा कराया, लेकिन भुगतान नहीं होने पर काम रोक दिया। बाद में विभाग ने शेष निर्माण अपने स्तर पर कराया।

मूल्यांकन के बाद भी भुगतान नहीं

ठेकेदार ने कराए गए निर्माण कार्य की राशि मांगी तो विभाग ने मूल्यांकन के बाद भुगतान के निर्देश तत्कालीन कार्यपालन यंत्री को दिए। इसके बावजूद राशि का भुगतान नहीं हुआ। विभागीय अधिकारियों के बदलने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके बाद ठेकेदार ने अदालत की शरण ली।

पेशी से गैरहाजिरी पर कार्रवाई

मामले में अदालत ने अधिकारियों से जवाब मांगा था। पूर्व में कुछ अधिकारियों ने अपना पक्ष रखा, लेकिन बाद की पेशियों पर संबंधित अधिकारी उपस्थित नहीं हुए। लगातार समन की अनदेखी के बाद अदालत ने वर्तमान चीफ इंजीनियर और अधीक्षण यंत्री के नाम गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया। अब 22 अक्टूबर की सुनवाई में मामले की आगे की कार्रवाई होगी।



स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग पर अड़े आयुर्वेद इंटर्न डॉक्टर, 13वें दिन ओपीडी बंद कर जड़े ताले

ओपीडी बंद होने से मरीज परेशान, आईपीडी और इमरजेंसी सेवाएं जारी

रीवा। शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन 13वें दिन और तेज हो गया। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों ने गुरुवार को अस्पताल की ओपीडी सेवाएं बंद कर दीं। विरोध प्रदर्शन के बीच अस्पताल के दोनों मुख्य द्वारों पर ताले लगा दिए गए। हालात ऐसे बने कि कॉलेज के डॉक्टरों और अधीक्षक को भी परिसर के बाहर बैठना पड़ा। आंदोलनकारी डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनका मासिक स्टाइपेंड बढ़ाकर 21,500 रुपये करने का लिखित आदेश जारी नहीं होता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

लगातार 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बावजूद मांग पूरी नहीं होने से इंटर्न डॉक्टरों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गुरुवार सुबह से ही आंदोलनकारियों ने ओपीडी में मरीजों का उपचार बंद कर दिया। इससे अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बिना उपचार कराए लौटने अथवा दूसरे अस्पतालों का रुख करने की नौबत का सामना करना पड़ा। हालांकि, मरीजों की परेशानी को देखते हुए अस्पताल में भर्ती मरीजों के उपचार के लिए आईपीडी और आपातकालीन सेवाएं चालू रखी गई हैं। ऐसे में ओपीडी बंद होने का असर नियमित जांच, परामर्श और उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों पर पड़ रहा है।

9,383 रुपये स्टाइपेंड, दूसरे पैथी के इंटर्न को मिल रहे 21,500

आंदोलन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों की प्रमुख मांग मासिक स्टाइपेंड में वृद्धि की है। उनका कहना है कि मध्य प्रदेश में आयुर्वेद इंटर्न डॉक्टरों को वर्तमान में महज 9,383 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। वहीं, उनके अनुसार, प्रदेश में एलोपैथी के इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाकर 21,500 रुपये प्रतिमाह किया जा चुका है। डॉक्टरों का तर्क है कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षण लेने वाले इंटर्न भी अस्पताल में मरीजों के उपचार और चिकित्सकीय सेवाओं से जुड़ी जिम्मेदारियां निभाते हैं। ड्यूटी और कार्यभार के बावजूद स्टाइपेंड में इतना अंतर उनके साथ असमान व्यवहार को दर्शाता है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब वे भी अस्पताल में अपनी सेवाएं देते हैं और मरीजों की देखभाल में योगदान करते हैं, तो उन्हें भी दूसरे चिकित्सा पाठ्यक्रमों के इंटर्न डॉक्टरों के समान स्टाइपेंड मिलना चाहिए।

नवरात्रि में महिलाओं की सुरक्षा के लिए मैदान में उतरी शक्ति वाहिनी

गरबा पंडालों, पूजा स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में करेगी निगरानी,



रीवा। नवरात्रि के दौरान गरबा महोत्सव, दुर्गा पूजा पंडालों और प्रमुख बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ के बीच महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रीवा पुलिस ने विशेष पहल की है। पर्व के दौरान महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए पुलिस ने शक्ति वाहिनी दल का गठन किया है। यह विशेष दल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेगा। साथ ही महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ सहित अन्य आपत्तिजनक गतिविधियों पर नजर रखते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेगा।

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देश पर गठित इस दल को गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में निगरानी के लिए रवाना किया गया। दल में कुल 10 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें से 8 सदस्यों की टीम को मैदानी निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवरात्रि में शहर के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक आयोजन, गरबा महोत्सव और दुर्गा पूजा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग घरों से निकलते हैं। भीड़भाड़ के कारण कई बार महिलाओं और युवतियों को असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए शक्ति वाहिनी दल को प्रमुख बाजारों, पूजा पंडालों और सार्वजनिक स्थलों पर सतर्कता के साथ भ्रमण करने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम रीवा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शक्ति वाहिनी दल को शहर में निगरानी के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना मरावी, सीएसपी राजीव पाठक, यातायात डीएसपी सत्य प्रकाश मिश्रा, यातायात प्रभारी श्रीमती अनिमा शर्मा और सूबेदार सुगम चतुर्वेदी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने टीम के सदस्यों को नवरात्रि के दौरान पूरी सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने और महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

छेड़छाड़ और असामाजिक गतिविधियों पर रहेगी नजर

नवरात्रि के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होती है। ऐसे में शक्ति वाहिनी दल की तैनाती से महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा। टीम को गरबा पंडालों, प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं एवं युवतियों के साथ छेड़छाड़ या किसी अन्य प्रकार की परेशानी की सूचना मिलने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने टीम को निर्देशित किया है कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने 14 फरार आरोपियों पर की ईनाम की घोषणा

मऊगंज



पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार जैन ने 14 फरार आरोपियों पर नगद ईनाम की घोषणा की है। पुलिस रेग्युलेशन के पैरा क्रमांक 80 ए में निहित प्रावधानों के तहत ईनाम की घोषणा की गई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी अथवा इस संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को नगद ईनाम की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मऊगंज का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा। इन आरोपियों के विरूद्ध थाना मऊगंज, नईगढ़ी एवं हनुमना, में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी ईश्वराचार्य उर्फ नंदू मिश्रा पिता लक्ष्मीकांत मिश्रा, निवासी पटेहरा पर 5 हजार रुपए, आरोपी रमेश प्रसाद कुशवाहा पिता स्व. मंगल प्रसाद कुशवाहा उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम मढ़ी पर 2 हजार रुपए, भैयालाल साकेत उर्फ अमित पिता सुदामा उर्फ राजबहोर साकेत निवासी गहबरा पर 2 हजार रुपए, आरोपी नीरज कुशवाहा उर्फ चन्द्रप्रकाश कुशवाहा निवासी अमहिया रीवा पर दो हजार रूपये, आरोपी कृष्णा पटेल निवासी अमखेरा नरैनी पहाड़ पर दो हजार रूपये, आरोपी प्रिंस पटेल पिता राजमणि पटेल निवासी पाड़र पर एक हजार रूपये, आरोपी राहुल पटेल पिता निवास उर्फ राजनिवास पटेल निवासी पाड़र पर पांच हजार रूपये, आरोपी विजय पटेल पिता बैजनाथ पटेल निवासी पाड़र पर एक हजार रूपये, विनय पटेल पिता बैजनाथ पटेल निवासी पाड़र एक हजार रूपये, आरोपी सुनील साकेत पिता बृजलाल साकेत निवासी ग्राम दाड़ी पर एक हजार रूपये, मुनीन्द्र कुमार पटेल पिता शालिकराम पटेल निवासी पटेहरा पर दो हजार रूपये, आरोपी नारेन्द्र कुमार गुप्ता पिता मथुरादास गुप्ता उम्र 50 वर्ष निवासी मऊगंज पर एक हजार रूपये, विनोद कुमार गुप्ता पिता मथुरादास गुप्ता उम्र 47 वर्ष निवासी मऊगंज वार्ड क्रमांक 8 पर एक हजार रूपये तथा आरोपी संदीप कुमार गुप्ता उर्फ सुखलाल गुप्ता पिता मथुरादास गुप्ता उम्र 50 वर्ष निवासी मऊगंज वार्ड क्रमांक 8 की गिरफ्तारी पर एक हजार रुपए के नगद ईनाम की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियानः 16 अक्टूबर को सीएफटी भवन देवतालाब, में लगेगा जन संवाद शिविर

मऊगंज

12 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों से होगा सीधा संवाद, ग्रामीणों की समस्याओं का करेंगे निराकरण मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास बढ़ाने और अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में प्रत्येक शुक्रवार को क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आगामी 16 अक्टूबर को सीएफटी भवन देवतालाब में जन संवाद शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया एवं पात्रता संबंधी जानकारी दी जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया जाएगा।

जन विश्वास शिविर में जनपद पंचायत मऊगंज के ग्राम पलिया त्रिवेणी सिंह, सरई सेंगर, पिड़रिया सेंगर, शिवपुरानेबूहा, लौरकला, देवतालाब, पताईविशेषर, घुघुरी, नौढ़िया, सगरा, पटपरा, एवं ढ़नगन सहित 12 ग्राम पंचायतों के नागरिक शामिल होगे। इस दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को सुना जाएगा। पात्र प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की आवश्यकताओं की जानकारी लेकर शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए भी आवश्यक पहल की जाएगी।